फ़तहमंद ज़िंदगी

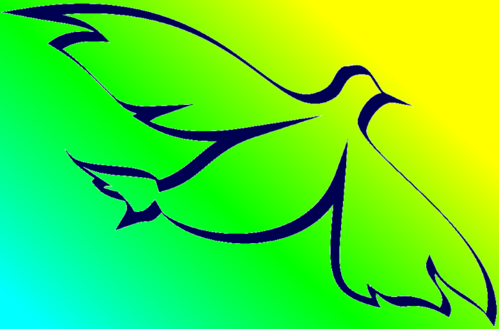

रूहुल-क़ुद्स का काम

fatahmand zindagī. rūhul-quds kā kām

Victorious Living. The Work of the Holy Spirit

by Bakhtullah

[Ao, Khud Dekh Lo 28]

(Urdu—Hindi script)

© 2024 www.chashmamedia.org

published and printed by
Good Word, New Delhi

The title cover is contains OpenClipart-Vectors
https://pixabay.com/vectors/pigeon-dove-peace-dove-148038/.

Bible quotations are from UGV.

for enquiries or to request more copies:
askandanswer786@gmail.com

फ़हरिस्त

रूह से मेरी क़ुरबत पाओ 2

रूह से मेरे प्यार का बंधन पाओ 6

रूह से मेरा ठप्पा पाओ 10

रूह से मेरी सलामती पाओ 11

इंजील, यूहन्ना 14:15-31 13

हर इनसान कामयाब होना चाहता है। हर एक अपने घरवालों के लिए इज़्ज़त और सुख का बाइस होना चाहता है। हम सब फ़तहमंद ज़िंदगी गुज़ारना चाहते हैं—ऐसी ज़िंदगी जो हर चैलेंज का सामना कर पाए, हर रुकावट पर ग़ालिब आए।

► **लेकिन हम किस तरह फ़तहमंद रह सकते हैं?**

ईसा मसीह ने इसका साफ़ जवाब दिया। ईसा मसीह जानता था कि थोड़ी देर बाद मुझे इस दुनिया से कूच कर जाना है। इसलिए ज़रूरी है कि अपने शागिर्दों को कुछ हिदायात दूँ। अब उसने एक नई बात छेड़ी। एक ऐसी बात जो शागिर्द उस वक़्त नहीं समझ सकते थे। बात क्या थी? रूहुल-क़ुद्स।

► **उसने रूहुल-क़ुद्स की बात क्यों छेड़ी?**

वह शागिर्दों को इस बात के लिए तैयार करना चाहता था कि मेरे जी उठने के बाद रूहुल-क़ुद्स नाज़िल होगा।

► **लेकिन रूहुल-क़ुद्स के आने का क्या मक़सद था? उसे पाने से हमें क्या हासिल होता है?**

इसका मुख़तसर जवाब यह है कि उससे हमें फ़तहमंद ज़िंदगी हासिल होगी। फ़तहमंद ज़िंदगी गुज़ारने में रूहुल-क़ुद्स हमारी मदद करेगा।

► **रूहुल-क़ुद्स फ़तहमंद ज़िंदगी गुज़ारने में हमारी मदद किस तरह करेगा?**

इस सवाल का जवाब ईसा मसीह देना चाहता था। पहली बात,

रूह से मेरी क़ुरबत पाओ

ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> अगर तुम मुझे प्यार करते हो तो मेरे अहकाम के मुताबिक़ ज़िंदगी गुज़ारोगे। और मैं बाप से गुज़ारिश करूँगा तो वह तुमको एक और मददगार देगा जो अबद तक तुम्हारे साथ रहेगा यानी सच्चाई का रूह, जिसे दुनिया पा नहीं सकती, क्योंकि वह न तो उसे देखती न जानती है। लेकिन तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है और आइंदा तुम्हारे अंदर रहेगा।
> (यूहन्ना 14:15-17)

► **कौन मसीह के अहकाम के मुताबिक़ ज़िंदगी गुज़ारेगा?**

वह जो उसे प्यार करता है। मसीह के पीछे हो लेने का यह मतलब नहीं कि हम उसे अपना वोट दें। उसे पार्टीबाज़ी से नफ़रत है। वह

एक ही बात चाहता है। यह कि हम उसे प्यार करें। क्योंकि उसे प्यार करेंगे तो ख़ुद बख़ुद उसके अहकाम के मुताबिक़ ज़िंदगी गुज़ारेंगे।

आजकल सोलर लाइट आम हो गई है। धूप में उसकी बैटरी, सोलर पैनल से चार्ज होने लगती है। अंधेरा शुरू हुआ तो लाइट ऑन हो जाती है। मतलब है जो बिजली सोलर पैनल से पैदा हुई है वह लाइट के लिए इस्तेमाल होती है।

हम भी उस जैसी लाइट हैं। हमारा बस एक ही काम है, यह कि ईसा मसीह की मुहब्बत-भरी धूप सेंकें। उसकी मुहब्बत जज़ब कर लेने से हमारी मुहब्बत भड़क उठती है और हम सोलर पैनल की लाइट की तरह दुनिया के अंधेरे में उसकी रौशनी फैलाने लगते हैं। यही ईसा मसीह का मतलब है : जब हम उसे प्यार करते हैं तो उसकी मुहब्बत-भरी धूप सेंकते हैं। तब ही हम उसके अहकाम पर चल पाएँगे।

► **लेकिन ईसा मसीह को बाप के पास जाना था। उसके बाद शागिर्द किस तरह उसकी धूप सेंक सकते थे?**

ख़ुदा बाप एक और मददगार देगा।

► **पहला मददगार कौन था?**

पहला मददगार ईसा मसीह था जो अब कूच कर जानेवाला था। इसलिए बाप एक और मददगार भेजेगा।

► **यह मददगार कौन है?**

सच्चाई का रूह यानी रूहुल-क़ुद्स। वही मसीह के जी उठने के बाद शागिर्दों पर नाज़िल होगा। उस वक़्त से वह हर सच्चे ईमानदार की मदद करेगा। अगर बाप सूरज है तो फ़रज़ंद सूरज की रौशनी और रूहुल-क़ुद्स सूरज की गरमी है।

► **क्या दुनिया रूहुल-क़ुद्स को पा सकती है?**

नहीं।

► **कौन रूहुल-क़ुद्स को पा सकता है?**

सिर्फ़ वह जो ईसा मसीह पर ईमान रखता है।

► **इसका क्या मतलब है कि 'तुम मददगार को जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है'? यह मददगार हाल ही में किस तरह शागिर्दों के साथ रहता था? उस वक़्त तो रूहुल-क़ुद्स नाज़िल नहीं हुआ था।**

हाल में ईसा मसीह ख़ुद उनका मददगार था। वही उनके साथ रहता था। शागिर्द उसे और उसके काम अपनी आँखों से देख सकते थे, उसे अपने हाथों से छू सकते थे। यों शागिर्द उसे जानते थे, और वह उनकी मदद करता रहता था।

ईसा मसीह यही कुछ कहना चाहता था : इस वक़्त मैं ही तुम्हारा मददगार हूँ जिसमें रूहुल-क़ुद्स बसता है। लेकिन आइंदा रूहुल-क़ुद्स नाज़िल होकर तुम्हारे ही अंदर रहेगा। उसमें मैं ख़ुद तुम्हारे दिलों में

मौजूद हूँगा। इसलिए घबराने की ज़रूरत नहीं है—जो मुहब्बत और सहायता तुम्हें इस वक़्त हासिल है वह आइंदा भी हासिल होगी।

अब हम उसकी अगली बात भी समझ सकते हैं :

> मैं तुमको यतीम छोड़कर नहीं जाऊँगा बल्कि तुम्हारे पास वापस आऊँगा। थोड़ी देर के बाद दुनिया मुझे नहीं देखेगी, लेकिन तुम मुझे देखते रहोगे। चूँकि मैं ज़िंदा हूँ इसलिए तुम भी ज़िंदा रहोगे। (यूहन्ना 14:18-19)

► **ईसा मसीह किस तरह वापस आएगा?**

जी उठने के बाद वह कुछ दिनों के लिए अपने शागिर्दों पर ज़ाहिर होगा। फिर वह उठा लिया जाएगा और रूहुल-क़ुद्स नाज़िल होगा। रूहुल-क़ुद्स के नाज़िल होने पर वह भी रूहुल-क़ुद्स में हाज़िर होगा। यहाँ मसीह इसी पर ज़ोर दे रहा है कि वह रूहुल-क़ुद्स में हाज़िर होगा।

► **उस वक़्त दुनिया उसे नहीं देखेगी लेकिन ईमानदार उसे देखते रहेंगे। वह किस तरह उसे देखते रहेंगे?**

वह रूहुल-क़ुद्स के ज़रीए उसे देखते रहेंगे। रूहुल-क़ुद्स के ज़रीए वह उनके दिलों में मौजूद होगा। और चूँकि वह ज़िंदा है इसलिए वह भी ज़िंदा रहेंगे। जिस ज़िंदगी से वह मौत पर ग़ालिब आया वही ज़िंदगी उन्हें हासिल होगी।

रूहुल-क़ुद्स के आने पर ईमानदार को मसीह की यह क़ुरबत एकदम मालूम हो जाएगी। ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> जब वह दिन आएगा तो तुम जान लोगे कि मैं अपने बाप में हूँ, तुम मुझमें हो और मैं तुममें। (यूहन्ना 14:20)

कितनी गहरी क़ुरबत! मसीह बाप में है और वह हममें भी है। यही वजह है कि हम ख़ुदा के घरवाले हैं। इसी लिए हम उसके हुज़ूर रह सकते हैं। और यह गहरी क़ुरबत रूहुल-क़ुद्स से पैदा हो गई है। उसी के वसीले से यह रिश्ता और रिफ़ाक़त हमेशा तरो-ताज़ा रहती है।

अगर मोबाइल का सिगनल न हो तो वह बेकार है। इसी तरह हमारी ख़ुदा से रिफ़ाक़त रूहुल-क़ुद्स के वसीले से पैदा होती है। वही मोबाइल का सिगनल है। उसी से हम हर वक़्त ख़ुदा के हुज़ूर रह सकते हैं, दुख-सुख की हर बात उसके सामने रख सकते हैं।

ईसा मसीह रूहुल-क़ुद्स के बारे में एक और बात भी कहना चाहता है। यह कि

रूह से मेरे प्यार का बंधन पाओ

ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> जिसके पास मेरे अहकाम हैं और जो उनके मुताबिक़ ज़िंदगी गुज़ारता है, वही मुझे प्यार करता है। और जो

> मुझे प्यार करता है उसे मेरा बाप प्यार करेगा। मैं भी उसे प्यार करूँगा और अपने आपको उस पर ज़ाहिर करूँगा। (यूहन्ना 14:21)

► **जो ईसा मसीह के अहकाम पर चलता है वह क्या करता है?**

वह ईसा मसीह को प्यार करता है।

► **जो ईसा मसीह को प्यार करता है उसे कौन प्यार करता है?**

ख़ुदा बाप और ईसा मसीह।

यों एक बंधन है जो ईमानदार को ख़ुदा बाप और ख़ुदा फ़रज़ंद के साथ जोड़ देता है।

► **बंधन क्या है?**

प्यार—वह प्यार जिससे रूहुल-क़ुद्स ईमानदार को ख़ुदा के साथ जकड़े रखता है।

► **जो मसीह को प्यार करता है उसके साथ ईसा मसीह क्या करेगा?**

वह अपने आपको उस पर ज़ाहिर करेगा।

► **अपने आपको प्यार करनेवाले पर ज़ाहिर करने से क्या फ़रक़ पड़ता है?**

अपने आपको प्यार करनेवाले पर ज़ाहिर करने से उसके साथ रिफ़ाक़त बढ़ती जाएगी। जितने हम उसे प्यार करेंगे उतना ही वह हम पर ज़ाहिर हो जाएगा, उतना ही हमारी उसके साथ रिफ़ाक़त बढ़ जाएगी।

अब एक शागिर्द ने पूछा, "ख़ुदावंद, क्या वजह है कि आप अपने आपको सिर्फ़ हम पर ज़ाहिर करेंगे और दुनिया पर नहीं?"

► **शागिर्द ने यह क्यों पूछा?**

ईसा मसीह फ़रमा चुका था कि शागिर्दों और दुनिया का कोई संबंध नहीं है। दुनिया रूहुल-क़ुद्स को पा ही नहीं सकती। अब उसने फ़रमाया था कि मैं अपने आपको सिर्फ़ उस पर ज़ाहिर करूँगा जो मुझे प्यार करता है। लेकिन शागिर्द तो अभी तक समझते थे कि वह थोड़ी देर बाद यरूशलम में बादशाह बनकर सब पर ज़ाहिर हो जाएगा। इसलिए शागिर्द का यह सवाल कि आप अपने आपको दुनिया पर ज़ाहिर क्यों नहीं करेंगे? आप क्यों सिर्फ़ हम पर ज़ाहिर हो जाएँगे? ईसा मसीह ने जवाब दिया,

> अगर कोई मुझे प्यार करे तो वह मेरे कलाम के मुताबिक़ ज़िंदगी गुज़ारेगा। मेरा बाप ऐसे शख़्स को प्यार करेगा और हम उसके पास आकर उसके साथ सुकूनत करेंगे। (यूहन्ना 14:23)

एक ही शर्त है कि ईसा मसीह किसी पर ज़ाहिर हो जाए।

► **शर्त क्या है?**

यह कि वह ईसा मसीह को प्यार करे।

► **मसीह को प्यार करने से क्या होगा?**

वह उसके कलाम के मुताबिक़ ज़िंदगी गुज़ारेगा।

► **तब क्या होगा?**

फिर ख़ुदा बाप उसे प्यार करेगा और वह अपने फ़रज़ंद समेत उसके पास आकर उसके साथ सुकूनत करेगा। दूसरे अलफ़ाज़ में वह उसमें अपना घर बना लेंगे। कितनी अज़ीम बात!

लेकिन दुनिया कभी ईसा मसीह से मुहब्बत नहीं करती, न उसकी बातों के मुताबिक़ ज़िंदगी गुज़ारती है। इसलिए मसीह कभी दुनिया पर ज़ाहिर नहीं हो सकता। किसी पर ज़ाहिर होना उससे गहरी रिफ़ाक़त रखने के बराबर है, वह रिफ़ाक़त जो सिर्फ़ घरवालों में होती है।

यह बात हम पर भी सादिक़ आती है। ईसा मसीह दुनिया पर ज़ाहिर नहीं होता। इससे कोई फ़रक़ नहीं पड़ता कि उसके नाम में बड़ी बड़ी इबादतगाहें बन गई हैं, कि लोगों ने उसका नाम लेकर क़त्लो-ग़ारत मचाई है, उसका नाम लेकर दौलत और शानो-शौकत हासिल की है। ईसा मसीह दुनिया की धूमधाम पर ज़ाहिर नहीं होता।

► **वह क्यों नहीं दुनिया पर ज़ाहिर होता?**

क्योंकि दुनिया उसे प्यार नहीं करती, उसके अहकाम पर नहीं चलती। उसे रूहुल-क़ुद्स हासिल नहीं है इसलिए ख़ुदा से रिफ़ाक़त हो नहीं सकती। हाँ, अदालत के दिन वह दुनिया पर भी ज़ाहिर हो जाएगा, लेकिन रिफ़ाक़त रखने के लिए नहीं बल्कि उसकी अदालत करने के लिए। तब ईसा मसीह ने रूहुल-क़ुद्स के बारे में एक तीसरी बात बताई। यह कि

रूह से मेरा ठप्पा पाओ

ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> यह सब कुछ मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुमको बताया है। लेकिन बाद में रूहुल-क़ुद्स, जिसे बाप मेरे नाम से भेजेगा तुमको सब कुछ सिखाएगा। यह मददगार तुमको हर बात की याद दिलाएगा जो मैंने तुमको बताई है। (यूहन्ना 14:25-26)

ईसा मसीह के चले जाने के बाद ख़ुदा बाप रूहुल-क़ुद्स को भेजेगा।

► **यह मददगार क्या करेगा?**

वह सब कुछ सिखाएगा। यानी वह मसीह की हर बात की याद दिलाएगा।

► **यह करने का क्या मक़सद है?**

मक़सद यह है कि वह हम पर मसीह का ठप्पा लगाए।

► **ठप्पा लगाने का क्या मतलब है?**

काग़ज़ पर ठप्पा लगाने का मतलब यह है कि मोहर लगाया जाता है। ठप्पा लकड़ी का वह टुकड़ा भी होता है जिस पर उभरे हुए बेल-बूटे बने रहते हैं और जिस पर लोग रंग पोतकर उन बेल-बूटों को कपड़े पर छापते हैं। ठप्पे का मतलब साँचा भी होता है जिसमें मिट्टी या कोई और चीज़ ढलकर साँचे की शक्ल अपनाती है।

जब हम रूहुल-क़ुद्स पाते हैं तो मसीह का ठप्पा हम पर लग जाता है।

► **मसीह का ठप्पा लगने का क्या मतलब है?**

- रूह हम पर मसीह का मोहर लगाता है। मोहर लगाने से यह बात पक्की हो जाती है कि हम मसीह के हैं।
- रूह हम पर मसीह का अज़ीम डिज़ाइन यों छापता है, जिस तरह सफ़ेद कपड़े पर रंगदार ठप्पा लगता है।
- रूह हमें मसीह के साँचे में ढालता है। तब हम मसीह की सूरत में बदलते जाते हैं। उसकी मुहब्बत, उसकी हलीमी, हाँ उसका पूरा वुजूद हमारे अंदर ज़ोर पकड़ता जाता है।

फिर ईसा मसीह ने एक आख़िरी हिदायत दी। यह कि

रूह से मेरी सलामती पाओ

ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> मैं तुम्हारे पास सलामती छोड़े जाता हूँ, अपनी ही सलामती तुमको दे देता हूँ। और मैं इसे यों नहीं देता जिस तरह दुनिया देती है। तुम्हारा दिल न घबराए और न डरे। (यूहन्ना 14:27)

► **ईसा मसीह क्या छोड़े जाता है?**

सलामती।

► **यह किसकी सलामती है?**

यह उसकी अपनी सलामती है।

► **क्या दुनिया यह सलामती दे सकती है?**

नहीं।

► **क्यों नहीं?**

ईसा मसीह ने अपनी सलीबी मौत से वह चीज़ मिटा दी जो हमें ख़ुदा से जुदा करती है यानी हमारे गुनाहों को। इससे हम जो ईमान लाए हैं ख़ुदा के घरवाले बन गए हैं। और यह सलामती हमारे दिलों में रहती है।

► **यह सलामती किस तरह हमारे दिलों में रहती है?**

रूहुल-क़ुद्स के ज़रीए। वही हमारे दिलों में यह सलामती बसा देता है। इसी वजह से घबराने की ज़रूरत नहीं है। ईसा मसीह तो चला गया लेकिन रूहुल-क़ुद्स के ज़रीए उसकी सलामती हमारे साथ रहती है।

दुनिया यह सलामती नहीं दिला सकती। वह तो दौलत, शानो-शौकत और ऐशो-इशरत दे सकती है। लेकिन वह यह सलामती नहीं दे सकती।

► **ईसा मसीह यह सब कुछ क्यों शागिर्दों को बता रहा था?**

उसने फ़रमाया,

> मैंने तुमको पहले से बता दिया है, इससे पेशतर कि यह हो, ताकि जब पेश आए तो तुम ईमान लाओ।
> (यूहन्ना 14:29)

शागिर्दों को यह जानने की ज़रूरत थी कि ईसा मसीह की दुख-भरी राह ख़ुदा के मनसूबे के मुताबिक़ था। उस वक़्त वह नहीं समझ सकते थे कि यह मददगार क्या है और उसका हमारे साथ क्या ताल्लुक़ है। लेकिन बाद में रूहुल-क़ुद्स उन पर नाज़िल हुआ। तब उसने उन्हें मसीह की क़ुरबत और प्यार का बंधन दिलाया। उसने उन पर मसीह का ठप्पा लगा दिया, और उन्हें ख़ुदा की गहरी सलामती हासिल हुई।

► **क्या आपने रूहुल-क़ुद्स पा लिया है?**

इंजील, यूहन्ना 14:15-31

अगर तुम मुझे प्यार करते हो तो मेरे अहकाम के मुताबिक़ ज़िंदगी गुज़ारोगे। और मैं बाप से गुज़ारिश करूँगा तो वह तुमको एक और मददगार देगा जो अबद तक तुम्हारे साथ रहेगा यानी सच्चाई का रूह, जिसे दुनिया पा नहीं सकती, क्योंकि वह न तो उसे देखती न जानती है। लेकिन तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है और आइंदा तुम्हारे अंदर रहेगा।

मैं तुमको यतीम छोड़कर नहीं जाऊँगा बल्कि तुम्हारे पास वापस आऊँगा। थोड़ी देर के बाद दुनिया मुझे नहीं देखेगी, लेकिन तुम मुझे देखते रहोगे। चूँकि मैं ज़िंदा हूँ इसलिए तुम भी ज़िंदा रहोगे।

जब वह दिन आएगा तो तुम जान लोगे कि मैं अपने बाप में हूँ, तुम मुझमें हो और मैं तुममें।
जिसके पास मेरे अहकाम हैं और जो उनके मुताबिक़ ज़िंदगी गुज़ारता है, वही मुझे प्यार करता है। और जो मुझे प्यार करता है उसे मेरा बाप प्यार करेगा। मैं भी उसे प्यार करूँगा और अपने आपको उस पर ज़ाहिर करूँगा।”
यहूदाह (यहूदाह इस्करियोती नहीं) ने पूछा, “ख़ुदावंद, क्या वजह है कि आप अपने आपको सिर्फ़ हम पर ज़ाहिर करेंगे और दुनिया पर नहीं?”
ईसा ने जवाब दिया, “अगर कोई मुझे प्यार करे तो वह मेरे कलाम के मुताबिक़ ज़िंदगी गुज़ारेगा। मेरा बाप ऐसे शख़्स को प्यार करेगा और हम उसके पास आकर उसके साथ सुकूनत करेंगे। जो मुझसे मुहब्बत नहीं करता वह मेरी बातों के मुताबिक़ ज़िंदगी नहीं गुज़ारता। और जो कलाम तुम मुझसे सुनते हो वह मेरा अपना कलाम नहीं है बल्कि बाप का है जिसने मुझे भेजा है।
यह सब कुछ मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुमको बताया है। लेकिन बाद में रूहुल-क़ुद्स, जिसे बाप मेरे नाम से भेजेगा तुमको सब कुछ सिखाएगा। यह मददगार तुमको हर बात की याद दिलाएगा जो मैंने तुमको बताई है।

मैं तुम्हारे पास सलामती छोड़े जाता हूँ, अपनी ही सलामती तुमको दे देता हूँ। और मैं इसे यों नहीं देता जिस तरह दुनिया देती है। तुम्हारा दिल न घबराए और न डरे। तुमने मुझसे सुन लिया है कि 'मैं जा रहा हूँ और तुम्हारे पास वापस आऊँगा।' अगर तुम मुझसे मुहब्बत रखते तो तुम इस बात पर ख़ुश होते कि मैं बाप के पास जा रहा हूँ, क्योंकि बाप मुझसे बड़ा है। मैंने तुमको पहले से बता दिया है, इससे पेशतर कि यह हो, ताकि जब पेश आए तो तुम ईमान लाओ। अब से मैं तुमसे ज़्यादा बातें नहीं करूँगा, क्योंकि इस दुनिया का हुक्मरान आ रहा है। उसे मुझ पर कोई क़ाबू नहीं है, लेकिन दुनिया यह जान ले कि मैं बाप को प्यार करता हूँ और वही कुछ करता हूँ जिसका हुक्म वह मुझे देता है।
अब उठो, हम यहाँ से चलें।